दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-१ ला अंक-१९२ वा गुरूवार १३ फ़रवरी २०२५ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रूपये पन्ने - ४

सुदर्शन घुले को १४ फरवरी तक पोलिस कस्टडी

मस्साजोग (ता. केज) के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मामले में आरोपी सुदर्शन घुले को, इस प्रकरण से संबंधित फिरौती के एक अन्य मामले में गिरफ्तार किया गया है। बुधवार को केज न्यायालय में पेश किए जाने पर, न्यायालय ने उसे १४ फरवरी तक पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया।

इससे पहले, आवादा कंपनी के प्रोजेक्ट अधिकारी से २ करोड़ रुपये की फिरौती मांगने के मामले में वाल्मिक कराड और विष्णु चाटे से पूछताछ की गई थी। हालांकि, सुदर्शन घुले की इस मामले में अब तक पूछताछ नहीं हुई थी। इसलिए, सीआईडी के उपअधीक्षक अनिल गुजर ने उसे हिरासत में लेकर केज थाने में गिरफ्तार किया। बुधवार को केज न्यायालय के प्रथम वर्ग न्यायाधीश एस. वी. पावसकर के समक्ष पेश किए जाने पर, सीआईडी ने सुदर्शन घुले की ५ दिनों की पुलिस हिरासत की मांग की। हालांकि, न्यायालय ने उसे १४ फरवरी तक पुलिस हिरासत में रखने का आदेश दिया।

१४४ कि धारा नक़ल मुक्त का नारा, तनाव से राहत हो अभीयान हमरा,

मुस्लिम छात्रों के बूरके पर पाबंदी नहीं

महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड के अध्यक्ष शरद गोसावी से दैनिक तामीर के संवाददाता अज़ीज़ ऐजाज की खास बातचीत

मुंबई, १२ फरवरी

महाराष्ट्र में बोर्ड परीक्षाएं मंगलवार को कड़े सुरक्षा इंतज़ामों के बीच शुरू हुईं। परीक्षा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए अधिकारियों ने ड्रोन, सीसीटीवी निगरानी और फ्लाइंग स्क्वॉड की तैनाती की है। ८१८ से अधिक संवेदनशील परीक्षा केंद्रों की पहचान की गई है, जहाँ अचानक निरीक्षण किया जाएगा। परीक्षा केंद्रों पर बाहरी हस्तक्षेप रोकने के लिए धारा १४४ लागू कर दी गई है। एक बड़े अभियान के तहत परीक्षा केंद्रों के ५०० मीटर के दायरे में मौजूद सभी फोटोकॉपी की दुकानों को बंद करने का आदेश दिया गया है। ड्रेस कोड को लेकर उठ रहे सवालों के बीच, बोर्ड के अध्यक्ष शरद गोसावी ने स्पष्ट किया कि बुर्का पहनने वाले छात्रों को परीक्षा देने में कोई समस्या नहीं होगी, बशर्ते वे सुरक्षा जांच का पालन करें। इस वर्ष परीक्षाओं को जल्दी शुरू करने का मुख्य उद्देश्य परिणामों को जल्द घोषित करना, कॉलेज प्रवेश प्रक्रिया को सुगम बनाना और छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं में आवेदन करने के लिए पर्याप्त समय देना है।

रोज़नामा तामीर ने क्छउ परीक्षाओं २०२५ को लेकर महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड के अध्यक्ष शरद गोसावी से विस्तृत बातचीत की, जो इस प्रकार है:

(१) बुर्का पहनने वाले छात्रों को परीक्षा देने से रोके जाने की आशंका थी। इस पर बोर्ड का क्या रुख है?

उत्तर: मैं इसे पूरी तरह स्पष्ट कर दूं - छात्रों के बुर्का पहनने पर कोई रोक नहीं है। हर छात्र, चाहे उसका पहनावा कुछ भी हो, परीक्षा देने का अधिकार रखता है। केवल एक ही शर्त है कि सुरक्षा जांच प्रक्रिया का पालन किया जाए ताकि किसी भी तरह की अनुचित गतिविधि को रोका जा सके। हमारा उद्देश्य सभी छात्रों को बिना किसी भेदभाव के समान अवसर प्रदान करना है।

(२) इस साल परीक्षा पिछले सालों की तुलना में १० दिन पहले शुरू हो गई है। इसके पीछे का कारण क्या है?

उत्तर: परीक्षा के शेड्यूल को पहले करने से हमें १५ मई तक परिणाम घोषित करने का मौका मिलता है, जिससे छात्रों को कॉलेज में प्रवेश लेने और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बिना देरी के आवेदन करने का पर्याप्त समय मिल सके। शुरुआत में कुछ चिंताएँ थीं, लेकिन हमें पूरा विश्वास है कि यह निर्णय छात्रों के भविष्य के लिए लाभदायक होगा।

हमारी टीम ने मंगलवार दोपहर को एक वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की ताकि क्छउ बोर्ड परीक्षाओं का सुचारू रूप से संचालन सुनिश्चित किया जा सके। इस बैठक में यह पक्का किया गया कि हर जिला और परीक्षा केंद्र पूरी तरह तैयार है। गोसावी जी ने बताया कि बोर्ड सभी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है।

इसके अलावा, पिछले एक महीने से लगभग दो लाख लोग, जिनमें सरकारी अधिकारी, शिक्षा विभाग के कर्मचारी और स्कूल प्रशासन शामिल हैं, क्छउ बोर्ड परीक्षा उत्सव नाम की पहल के तहत इन परीक्षाओं को एक व्यवस्थित और सुगठित प्रक्रिया बनाने के लिए सक्रिय रूप से तैयारी कर रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य पूरे महाराष्ट्र में एक अनुशासित, सुव्यवस्थित और छात्र-हितैषी परीक्षा वातावरण बनाना है।

कॉपी फ्री अभियान के तहत, परीक्षा से एक हफ्ते पहले सार्वजनिक जागरूकता अभियान चलाया गया। स्कूलों और जूनियर कॉलेजों को निर्देश दिए गए कि वे छात्रों को नैतिक मूल्यों और नकल करने के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक करें।

(३) यदि कोई छात्र या परीक्षा केंद्र नकल में पकड़ा जाता है, तो उसके लिए क्या दंड होगा?

उत्तर: यदि कोई भी छात्र नकल करते हुए पकड़ा जाता है, तो उसके खिलाफ महाराष्ट्र प्रिवेंशन ऑफ मालप्रैक्टिस एक्ट, १९८२ के तहत सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिन परीक्षा केंद्रों को नकल करवाने या उसमें सहयोग देने का दोषी पाया जाएगा, उन्हें भविष्य के बोर्ड परीक्षाओं के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

(४) इस साल छात्रों को परीक्षा हॉल के अंदर अपनी निजी पानी की बोतलें ले जाने की अनुमति दी गई है। इसके पीछे क्या कारण है?

उत्तर: हमने छात्रों को अपनी पानी की बोतलें लाने की अनुमति दी है। हालांकि, इन बोतलों को एक निश्चित स्थान पर सख्त निगरानी में रखा जाएगा। पहले, छात्रों द्वारा पानी की बोतलों में चिट छिपाने की घटनाओं के कारण इस पर प्रतिबंध लगाया गया था, लेकिन अब हमने परीक्षा हॉल के बाहर फ़िल्टर किया हुआ पानी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है।

(५) अंत में, आप क्छउ परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों को क्या संदेश देना चाहेंगे?

उत्तर: मेरा छात्रों के लिए एक सरल संदेश है - खुद पर भरोसा रखें, मेहनत से पढ़ाई करें और शॉर्टकट अपनाने से बचें। बोर्ड ने निष्पक्ष और तनाव-मुक्त परीक्षा प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाए हैं। हम छात्रों की मदद के लिए हैं, लेकिन उन्हें अपनी मेहनत की जिम्मेदारी खुद लेनी होगी। मैं सभी छात्रों को उनकी परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएँ देता हूँ! धारा १४४, फ्लाइंग स्क्वॉड और सीसीटीवी निगरानी के बावजूद राज्य के विभिन्न परीक्षा केंद्रों में नकल करने वाले ६० से अधिक छात्रों के खिलाफ कार्रवाई.

लाडकी बहन योजना कभी बंद नहीं होगी-मुख्यमंत्री की गारंटी

विशेष प्रतिनिधि

मुंबई:(जमीर काजी)

लाडकी बहन योजना हमारे लिए सिर्फ आर्थिक मदद नहीं, बल्कि हमारे जीवन का सहारा है, यह बात बर्तन मांजने का काम करने वाली महिलाओं ने कही। उनकी यह भावना सुनते ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आश्वासन दिया, यह योजना कभी भी बंद नहीं होगी!

यवतमाल जिले के घाटंजी की २० महिला मजदूरों को रसिकाश्रय संस्था ने जीवाची मुंबई, श्रमाची आनंदवारी कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री फडणवीस से सह्याद्रि अतिथिगृह में मुलाकात करवाई। इस दौरान कई महिलाओं की आँखों में आँसू आ गए।

एक बुजुर्ग महिला भावुक होकर बोलीं, बर्तन मांजकर सिर्फ ५०० रुपये मिलते थे, जिससे परिवार चलाना बहुत मुश्किल था। लेकिन 'लाडकी बहन' योजना से हमें बड़ा सहारा मिला। मुख्यमंत्री ने उनकी भावनाओं को समझते हुए भरोसा दिलाया कि लाडकी बहन योजना कभी बंद नहीं होगी, बल्कि इस योजना के तहत और अधिक मदद कैसे दी जा सकती है, इस पर भी विचार किया जा रहा है।

महिलाओं के लिए यह सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि जीवनभर याद रहने वाला अनुभव था

यह मुलाकात महिलाओं के लिए केवल योजनाओं पर चर्चा तक सीमित नहीं थी, बल्कि उनके लिए एक अविस्मरणीय अनुभव भी था। एक महिला ने उत्साह से कहा, हमने कभी हवाई जहाज भी नहीं देखा था, लेकिन अब हम उसमें यात्रा भी कर चुके हैं। ये दो दिन हमारे लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं थे!

महिलाओं ने मुख्यमंत्री से सम्मान निधि के रूप में हर साल १०,००० रुपये देने की माँग भी रखी। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा, सरकार इस माँग पर विचार करेगी।

इसके अलावा, कुछ वृद्ध महिलाएँ जो 'लाडकी बहन योजना' के लिए पात्र नहीं थीं, उनके लिए मुख्यमंत्री ने 'निराधार योजना' के तहत सहायता देने का आश्वासन दिया।

पोलिस बंदोबस्त के साथ बीड नगर परिषदने हटाये अतिक्रमण

बीड, १२ फरवरी (प्रतिनिधि): बीड नगर परिषद ने बुधवार (१२ तारीख) को शहर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। इस अभियान में हाथ पर पेट पालने वाले छोटे दुकानदारों द्वारा बनाई गई टिन की झोपड़ियों को हटाया गया। इससे सड़कों ने राहत की सांस ली है। यदि नगर परिषद अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाएगी तो उसका स्वागत है, लेकिन पेट के लिए किए गए अतिक्रमण हटाते समय, बीड में जिन बिल्डरों ने नदी-नालों को निगलकर बड़ी-बड़ी इमारतें नदी के पात्र में, बाढ़ रेखा में बनाई हैं, ओपन स्पेस पर अतिक्रमण कर कब्जा किया है, उन अतिक्रमणों की ओर नगर परिषद की नजर कब जाएगी, यह सवाल आम जनता के मन में है।

शहर में स्वच्छता, पानी और धूल की गंभीर समस्या है, जिससे नागरिक परेशान हैं। लेकिन इस बारे में अनदेखी करने वाली नगर परिषद अचानक जाग गई और शहर की सड़कों पर छोटे-मोटे व्यवसाय करने वालों की चाय की टपरी, पान की टपरी सहित अन्य व्यवसायियों की रोजी-रोटी पर असर डाला।

इससे यातायात में बाधा और शहर की बदसूरती हो रही थी, इसलिए बुधवार (१२ तारीख) को नगर परिषद ने कार्रवाई करते हुए बुलडोजर लगाकर अतिक्रमण हटाया। इसकी सूचना मंगलवार (११ तारीख) को नगर परिषद ने लाउडस्पीकर के माध्यम से दी थी। जिन्होंने अतिक्रमण नहीं हटाया, उनके हाथगाड़ी और टपरी तोड़ी गईं। यह अभियान शहर के छत्रपति शिवाजी महाराज चौक से कारंजा रोड, नगर रोड और जालना रोड पर चलाया गया। अन्य क्षेत्रों में भी अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान से शहर की सड़कों ने राहत की सांस ली है। यदि सड़कों को अतिक्रमण मुक्त किया जाएगा तो उसका स्वागत है, लेकिन यह करते समय कानून का डर केवल गरीबों पर ही क्यों, यह सवाल उठ रहा है।

बीड शहर में पिछले कुछ वर्षों में नगर परिषद की अनदेखी के कारण जगह-जगह अतिक्रमण हुआ है। बिंदुसरा और कर्परा नदी की बाढ़ रेखा के साथ-साथ नदी के पात्र में भी निर्माण कार्य हुए हैं, नाले में भराव डालकर उन्हें बेचा गया है, उन पर बड़ी-बड़ी इमारतें खड़ी की गई हैं। पार्किंग के लिए आरक्षित स्थानों पर अतिक्रमण हुआ है। शहर के ओपन स्पेस गायब हो गए हैं और उन पर भी अतिक्रमण हुआ है। यह अतिक्रमण करने वाले कुछ सिर पर दो टिन की छत नहीं, इसलिए आश्रय खोजने के लिए किया गया अतिक्रमण नहीं, बल्कि बिल्डर लॉबी के धनाढ्य लोगों ने प्रशासन के लोगों को साथ मिलाकर यह अतिक्रमण किया है, और उस पर करोड़ों की संपत्ति जमा की है। यदि नगर परिषद को वास्तव में कानून की परवाह है, तो इन धनाढ्यों द्वारा किए गए अतिक्रमणों की ओर भी ध्यान देना चाहिए और उन अतिक्रमणों पर बुलडोजर नहीं तो कम से कम हथौड़ा तो दिखाने की हिम्मत दिखानी चाहिए, ऐसी मांग आम जनता से हो रही है। इसी विषय को लेकर बीड शहर में डॉ. गणेश धवले, रामनाथ खोड आदि सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर ज्ञापन भी दिया है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

एकनाथ शिंदे के सम्मान से ठाकरे गुट में पवार के प्रति गहरी नाराजगी!

५ वर्षों में पहली बार पवार पर तीखी आलोचना

जमीर काज़ी
मुंबई:

महाविकास आघाड़ी के शिल्पकार शरद पवार द्वारा उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का दिल्ली में सम्मान करने से उद्धव ठाकरे गुट में गहरा आक्रोश उत्पन्न हुआ है। सांसद संजय राउत ने इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा, यह सम्मान महाराष्ट्र के साथ बेईमानी करने वालों और टुकड़े करने वाले अमित शाह का है, जिससे मराठी लोगों को पीड़ा हुई है।

पिछले पांच वर्षों में शरद पवार की प्रत्येक राजनीतिक भूमिका का दृढ़ता से समर्थन करने वाले राउत ने पहली बार उनके खिलाफ खुलकर आलोचना की है। इससे विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद कमजोर हुई महाविकास आघाड़ी में दूरी बढ़ने की संभावना है। पवार गुट की ओर से राउत को प्रत्युत्तर दिया गया है, वहीं महायुति के नेताओं ने भी उनकी खिल्ली उड़ाई है।

नई दिल्ली में सोमवार को उपमुख्यमंत्री शिंदे को शरद पवार के हाथों 'महादजी शिंदे राष्ट्र गौरव पुरस्कार' प्रदान किया गया। इस अवसर पर पवार और शिंदे ने एक-दूसरे की प्रशंसा की, जो राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया। ठाकरे गुट को पवार की यह प्रशंसा नागवार गुजरी है।

सांसद राउत ने पवार के इस कार्यक्रम में शामिल होने की आवश्यकता पर सवाल उठाते हुए कहा, यह केवल मेरी भावना नहीं, बल्कि शिवसेना और समस्त शिवसैनिकों की है। उन्होंने कहा, पवार साहेब वरिष्ठ नेता हैं। उनके गुगली के बारे में जो अपप्रचार है, उसे समझना होगा। पिछले कुछ समय से महाराष्ट्र की राजनीति बहुत विचित्र दिशा में चल रही है। कौन किसे टोपी पहना रहा है, कौन किसे गुगली दे रहा है और कौन स्वयं हिटविकेट हो

रहा है, यह समझना होगा। जिन शिंदे ने महाराष्ट्र की सरकार गिराई, बेईमानी की, उनके कार्यक्रम में पवार को नहीं जाना चाहिए था। यह हमारी भावना है। महाराष्ट्र के लोगों के सामने हम किस मुंह से जाएंगे? जिन्होंने महाराष्ट्र का नुकसान किया, जिन्हें हम महाराष्ट्र का दुश्मन मानते हैं, उनके साथ खुलेआम बैठना और उन्हें सम्मानित करना महाराष्ट्र की अस्मिता और स्वाभिमान को ठेस पहुंचाने वाला है। आप वरिष्ठ हैं, हम आपका आदर करते हैं, लेकिन बाला साहेब की शिवसेना को अमित शाह के सहयोग से तोड़ने वाले और महाराष्ट्र को कमजोर करने वालों को सम्मानित करने से मराठी लोगों के दिलों को निश्चित रूप से पीड़ा हुई होगी।

राउत ने आगे कहा, पवार को ठाणे के विकास के बारे में गलत जानकारी दी गई है। ठाणे का विकास शिवसेना के कारण हुआ है। सतीश प्रधान ने इसकी नींव रखी थी। शिंदे ठाणे की राजनीति में बहुत देर से आए हैं। उनके कारण वहां की राजनीति बिगड़ी है। पवार को हमारे राजन विचारे सही जानकारी देंगे।

दिल्ली में दलालों का सम्मेलन

दिल्ली में होने वाले अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन पर भी कड़ी आलोचना करते हुए राउत ने कहा, यह दलालों का सम्मेलन है, जहां पैसे के लिए किसी को भी पुरस्कार दिए जा रहे हैं। मराठी साहित्य से कोई संबंध न रखने वालों को यहां सम्मानित किया जा रहा है। मुझे निमंत्रण होने के बावजूद मैं वहां नहीं जाऊंगा।

'यह तुरे को आईना दिखाने जैसा' - अमोल कोल्हे

पवार साहेब ने महाराष्ट्र की सुसंस्कृत राजनीतिक परंपरा और स्टेट्समैनशिप को बनाए रखा है। अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन के वे स्वागताध्यक्ष हैं, जिससे उन्होंने महाराष्ट्र की सुसंस्कृतता को बनाए रखा है। इसलिए सम्मान पर आपत्ति जताना बेवजह तुरे को आईना दिखाने जैसा है, ऐसा प्रत्युत्तर पवार गुट के नेता सांसद अमोल कोल्हे ने दिया।

साहित्य सम्मेलन के मंच पर यह कार्यक्रम हो रहा था, जिसमें केवल शिंदे ही नहीं, बल्कि १४ से १५ लोगों का सम्मान था। कहीं न कहीं राजनीति से परे जाकर सांस्कृतिक चीजों को देखना चाहिए, ऐसा भी उन्होंने स्पष्ट किया।

पंतप्रधान नरेंद्र मोदी अल्पसंख्यको का विकास करना चाहते हैं, खुले मन और बेखौफ होकर आगे आए। जमाल सिद्दीकी

बीड संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुस्लिम समुदाय से भाजपा कार्यालयों में आकर पार्टी की सदस्यता लेने का आह्वान किया है। वर्तमान में, भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता अभियान देशभर में चल रहा है, और सभी अल्पसंख्यक भाइयों से आग्रह है कि वे सदस्यता लेकर प्रधानमंत्री के इस आह्वान का समर्थन करें।

स्वर्गीय लोकनेता गोपीनाथराव मुंडे का बीड जिले में रेलवे लाने का सपना था, जिसे उनकी बेटियों पंकजा मुंडे और प्रीतम मुंडे ने विशेष प्रयासों से साकार किया। केंद्र और राज्य सरकार के समक्ष लगातार प्रयासों और निधि की व्यवस्था के कारण ही बीड जिले के निवासियों का रेलवे का सपना पूरा हो सका है। यह विचार भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने व्यक्त किए।

अल्पसंख्यक मोर्चा की बैठक में बोलते हुए सिद्दीकी ने कहा कि लोकनेता गोपीनाथ मुंडे महाराष्ट्र के तमाम कार्यकर्ताओं के दिलों पर राज करने वाले नेता थे। मुंबई में हज हाउस के निर्माण में मुंडे साहब ने बड़ी मदद की थी और अल्पसंख्यक समाज के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए थे, जो हमेशा याद रखे जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्तमान में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के सिद्धांत पर देश का विकास कर रहे हैं। इस अवसर पर ल्पसंख्यक मोर्चा के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष इद्रिस मुलतानी, प्रदेश महामंत्री सलीम जहांगीर, भाजपा के जिला सरचिटणीस देविदास नागरगोजे सहित प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बोलते हुए प्रदेश अध्यक्ष मुलतानी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें अल्पसंख्यक समाज के हित में कई योजनाएं चला रही हैं। इन योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचाने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं को प्रयास करना चाहिए और सक्रिय रूप से भाजपा सदस्यता अभियान में भाग लेना चाहिए।

इस दौरान प्रदेश महामंत्री सलीम जहांगीर, प्रदेश उपाध्यक्ष दौलत पठान, बाबा पठान, अतीक पटेल, परभणी जिलाध्यक्ष मतीन तांबोळी, नूर लाला खान, रफिक कुरेशी, रियाज सिद्दीकी, मोहम्मद सलीम अत्तार, सलीम जहागीरदार, आडू जहागीरदार आदि उपस्थित थे।

'मार्टी' के कामों में तेज़ी लाई जाएगी। मंत्री दत्तात्रय भरणे

मुंबई (संवाददाता)

महाराष्ट्र राज्य के अल्पसंख्यक विकास मंत्री, दत्तात्रय भरणे की अध्यक्षता में मंत्रालय में 'मार्टी' (अल्पसंख्यक अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान) के संबंध में एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में 'मार्टी' की स्थापना से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई, जिनमें आवश्यक पदों की भर्ती, नए लेखा शीर्षक खोलना, कंपनी अधिनियम के तहत संस्थान का पंजीकरण और मुख्यालय की स्थापना की त्वरित कार्यान्वयन शामिल हैं।

मंत्री दत्तात्रय भरणे ने 'मार्टी' की स्थापना के कार्य में तेजी लाने के लिए इस विषय को उच्चस्तरीय समिति की बैठक में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। इस बैठक में अल्पसंख्यक विकास विभाग के शेनॉय साहब, कक्ष अधिकारी अंधारे साहब, वक्फ बोर्ड के सीईओ जुनेद खान, और विभिन्न सरकारी अधिकारी उपस्थित थे।

इसके अलावा, 'मार्टी' क्रियान्वयन समिति के अध्यक्ष एडवोकेट अज़र पठान, महासचिव वसीम कुरैशी, सचिव शहबाज पठान, सर आसिफ, सहसचिव नबील उजमा, और अध्ययन सलाहकार एवं मुंबई विश्वविद्यालय के वरिष्ठ शोधकर्ता शहबाज मणियार ने भी इस बैठक में भाग लिया।

मुफस्सिरे कुरआन, मौलाना सय्यद मुस्तफा मज़हरी कि अलखैर में आमद

अंबाजोगाई (असलम अनवरी)

अंबाजोगाई शहेर में एक डेंटल क्लेनिक के इफ्तेतः के लिए तशरिफ लाएथे उस मौखेपर सदर अलखैर के गुज़ारिश पर अलखैर नागरी सहकारी पतसंस्था मर्या अंबाजोगाई के दफ्तर पर तशरिफ लाए इस मौखेपर मोहतरम को अलखैर के कामो का तफ्सिली

तारुफ़ करायागया मौलाना मोहतरम ने ख़ुशी का इज़हार किया और अलखैर की तरक्की के लिए दुआ की उसके बाद मौलाना मोहतरम का अलखैर के जानिबसे शेख अब्दुल रहीम साहब के हाथो इस्तकबाल किया इस वक्त इंजिनीअर जावेद कादरी साहब, अजमतुल्लाखान साहब, सदर अलखैर शेख उमर फारूक सर, तमाम संचालक, स्टाफ और दिगर अहबाब मौजूद थे.

॥ सस्नेह निमंत्रण ॥
फिनिक्स फाउंडेशन संस्था, लोदगा जि. लातूर व गोदरेज (ASTEC)
यांच्या संयुक्त विद्यमाने
वातावरणीय बदलांचे संकट दिवसेंदिवस अधिक गडद आणि गंभीर स्वरूप धारण करत आहे. वाढत्या कार्बन उत्सर्जनामुळे पर्यावरणावर होणारा प्रतिकूल परिणाम रोखण्यासाठी हरित आच्छादन वाढविणे अत्यावश्यक झाले आहे. या दृष्टीने, बांबू लागवड हे कार्बन शोषून घेण्याचे एक प्रभावी साधन ठरू शकते. याच पार्श्वभूमीवर, लातूर जिल्ह्यातील शेतकऱ्यांना बांबू लागवडीसाठी प्रोत्साहित करण्याच्या उद्देशाने
पर्यावरणीय योद्ध्यांचा सन्मान सोहळा २०२५
• शुक्रवार, दि. १४ फेब्रुवारी २०२५ • वेळ : सकाळी १०.०० वा.
शुभ हस्ते
मा.ना.श्री. भरतशेठ गोगावले
मंत्री, रोजगार हमी योजना, फलोत्पादन, खारभूमी, महाराष्ट्र राज्य
प्रमुख पाहुणे
मा.ना.श्री. बाबासाहेब पाटील
मंत्री, सहकार, महाराष्ट्र राज्य
प्रमुख उपस्थिती
मा.खा.श्री.डॉ. शिवाजी काळगे, खासदार, लातूर
मा.खा.श्री. ओमराजे निंबाळकर, खासदार, धाराशिव
मा.आ.श्री. अमित देशमुख, आमदार, लातूर शहर
मा.आ.श्री. संभाजी पाटील निलंगेकर, आमदार, निलंगा
मा.आ.श्री. संजय बनसोडे, आमदार, उदगीर
मा.आ.श्री. रमेश कराड, आमदार, लातूर ग्रामीण
मा.आ. श्री. विक्रम काळे, विधानपरिषद सदस्य
मा.आ. श्री. अभिमन्यू पवार, आमदार, औसा
मा.श्री. गणेश पाटील, सचिव, रो.ह.यो. मंत्रालय मुंबई
मा.श्री. नंदकुमार, महासंचालक, मनरेगा
मा.श्री.दिलीप गावडे, विभागीय आयुक्त, छत्रपती संभाजीनगर
मा. वर्षा ठाकूर घुगे, जिल्हाधिकारी, लातूर
मा.श्री. अनमोल सागर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जि. प. लातूर
मा.श्री. रविंद्र ठाकरे, आयुक्त, मनरेगा
मा. श्री. जाधव आर. टी., जिल्हा अधीक्षक कृषी अधिकारी, लातूर
मा.श्री. बाळकृष्ण पोळ, विभागीय वन अधिकारी, लातूर
मा.श्री. अमित जाधव, विभागीय वन अधिकारी, लातुर.
मा. अहिल्या गाठाळ, उपजिल्हाधिकारी रोहयो, लातूर
मा.श्री. संजीव कर्पे, आंतरराष्ट्रीय बांबू तज्ञ
विनीत
मा.ना.श्री. पाशा पटेल
अध्यक्ष, फिनिक्स फाउंडेशन लोदगा जि. लातूर अध्यक्ष, राज्य कृषि मूल्य आयोग, महाराष्ट्र राज्य
कार्यकारी अध्यक्ष, मुख्यमंत्री पर्यावरण आणि शाश्वत विकास टास्क फोर्स, महाराष्ट्र राज्य
आयोजक
परवेज पाशा पटेल, समन्वयक, फिनिक्स फाउंडेशन, लोदगा जि, लातूर
नेहा कायल, CSR प्रमुख, गोदरेज (ASTEC)
स्थळ : फिनिक्स फाउंडेशन, लोदगा जि. लातूर
Shivprasad/9730906840

SAPNA TRAVELS
Heavy Parcel Booking
9960828578 / 9156333999
Beed Office
9075868000
7058575575
Online Booking
redBus
www.redbus.in
पे G Pay paytm
AC Sleeper
Free Wifi
Free Water bottle
Mobile Charging
CCTV Camera & GPS
Clean & Comfortable bed
Beed to Mumbai (panvel-sion-borivali)
Beed to Pune (bhosari-nigdi)
Shivaji Chowk, Near Mahindra showroom, Beed-431122

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com
daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com